Towards Better Sharing of Cultural Heritage - An Agenda for Copyright reform.
This document has been translated into Hindi by Dr. Gireesh Kumar T.K..

The original English version is the authoritative version on which this unofficial translation is based.

Towards Better Sharing of Cultural Heritage - An Agenda for Copyright Reform.

सांस्कृतिक विरासत के बेहतर साझाकरण की ओर — कॉपीराइट सुधार के लिए एक कार्यसूची

एक क्रिएटिव कॉमन्स नीति दस्तावेज़
2022-02-09

ब्रिगिट वेज़िना (नीति निदेशक, ओपन कल्चर और ग्लैम, क्रिएटिव कॉमन्स) द्वारा तैयार किया गया। अतिरिक्त योगदानकर्ता (वर्णमाला क्रम में): सुज़ाना आनस (सीसी फ़िनलैंड / ग्लोबल नेटवर्क काउंसिल का सीसी एक्सकॉम); कैरीज़ क्रेग (यॉर्क विश्वविद्यालय); रेबेका गिब्लिन (मेलबर्न विश्वविद्यालय); शन्ना हॉलिच (सीसी यूएसए); रेवेक्का केफलिया (ग्लैम हैक); पॉल केलर (कम्युनिया / ओपन फ्यूचर); थॉमस मार्गोनी (केयू ल्यूवेन); एरियाडना मातस (यूरोपना); क्रिस्टीना पेट्रासोवा (नीदरलैंड इंस्टिट्यूट वूर बील्ड एन गेलुइड / इनडाइस); जोनाथन पोरिट्ज (सीसी यूएसए); मैथ्यू रिमर (क्वींसलैंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय); मेलिसा टेरास (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय); हैरी थॉमस (बर्लिन का मुक्त विश्वविद्यालय); मार्टीन ज़ीनस्ट्रा (ओपन नेदरलैंड | सीसी नीदरलैंड्स)

क्रिएटिव कॉमन्स पर नीति

क्रिएटिव कॉमन्स (सीसी) सार्वभौमिक पहुंच के लिए सत्त्वाधिकार बाधाओं को कम करने के लिए वैश्विक नीति को और दीर्घाओं, पुस्तकालयों, अभिलेखागार और संग्रहालयों (ग्लैम्स) में आयोजित सांस्कृतिक विरासत सहित ज्ञान और संस्कृति के पुन: उपयोग को प्रभावित करता है । अपने ओपन ग्लैम कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, सीसी यह सुनिश्चित करने के लिए काम करता है कि जनता और ग्लैम के हितों, चिंताओं और जरूरतों को उनके सार्वजनिक हित उद्देश्य को पूरा करने में अधिकार धारकों के साथ उचित तरीके से संतुलित हो।

इस नीति पत्र का उद्देश्य और रूपरेखा

इस दस्तावेज़ का उद्देश्य डिजिटल परिवेश में उत्पन्न होने वाले मुद्दों पर ध्यान देने के साथ सांस्कृतिक विरासत के संदर्भ में सत्त्वाधिकार सुधार में सीसी के पक्षपोषण कार्य के लिए एक स्तंभ और संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करना है। यह सीसी समुदाय के सदस्यों को अपने स्वयं के समर्थन प्रयासों में सहायता करने, नीति निर्माताओं को उनकी विधायी प्रक्रियाओं में मार्गदर्शन करने और संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत के उपयोग और पुन: उपयोग के बारे में नीतिगत मुद्दों में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति को सूचित करने का काम कर सकता है। इसे नीति निर्माताओं के लिए एक ग्लैम गाइड में रूपांतरित किया जाएगा

और वास्तविक जीवन के उदाहरणों, केस अध्ययन और व्यावहारिक परामर्श के साथ संवर्धित किया जाएगा।

यह ग्लैम्स की वैध गतिविधियों के लिए सत्त्वाधिकार चुनौतियों के एक सिंहावलोकन के साथ शुरू होता है, विशेष रूप से संरक्षण (बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण के माध्यम से) और डिजिटल और डिजीटल सामग्री छवियों और डेटा का अभिगम, उपयोग और पुन: उपयोग के लिए साझा करना। यह ग्लैम क्षेत्र के सामान्य जोखिम से बचने के लिए सत्त्वाधिकार के द्रुतशीतन प्रभावों का भी अभिलेख करता है। यह दस्तावेज़ तब डिजिटल परिवेश से संबंधित अवसरों पर ध्यान देने के साथ, उन चुनौतियों का समाधान करने वाले प्रभावी सत्त्वाधिकार सुधार की दिशा में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। सुधार के प्रस्तावों का उद्देश्य कानूनी निश्चितता और अंतर्राष्ट्रीय सामंजस्य बनाने के साथ-साथ सीमा पार लेनदेन को सुविधाजनक बनाना है।

यह दस्तावेज़ नीति निर्माताओं को समाज के सभी सदस्यों को ज्ञान और संस्कृति के संरक्षण और अभिगम करने में ग्लैम्स की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को पहचानने और समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह नीति निर्माताओं से हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए आग्रह करता है ताकि सार्वजनिक हित में सांस्कृतिक विरासत के बेहतर साझाकरण का समर्थन करने के लिए स्पष्ट, सरल और प्रभावी नीतियां रहें। यह दस्तावेज़ नीतिगत मुद्दों का एक उच्च-स्तरीय अवलोकन प्रदान करता है और, समग्र रूप में, यह आवश्यक रूप से किसी विशिष्ट क्षेत्राधिकार में वर्तमान स्थिति को नहीं दर्शाता है।।

भूमिका – कैसे सत्त्वाधिकार सांस्कृतिक विरासत संस्थानों और जनता को विफल कर रहा है

ग्लैम्स समाज में एक मौलिक भूमिका निभाते हैं

जीवंत और संपन्न समाज को बनाए रखने के लिए संस्कृति और ज्ञान का अभिगम आवश्यक है।

गैलरी, पुस्तकालय, अभिलेखागार और संग्रहालय (ग्लैम्स) सदियों से दुनिया की संस्कृति और ज्ञान के द्वार खोलने वाले रहे हैं, और उन समुदायों के लिए एक मौलिक भूमिका निभाते हैं जिनकी वे सेवा करते हैं। वे उपयोग के लिए संसाधन और सेवाएं प्रदान करते हैं, शिक्षा, अनुसंधान और ज्ञान की उन्नति प्रदान करते हैं और वैश्विक, सतत विकास की सेवा में रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। ग्लैम्स ऐसी संस्थाएँ हैं जहाँ जनता संस्कृतियों और ज्ञान की पूर्ण विविधता के लिए सार्वभौमिक, अधिकतम और समान अभिगम का आनंद ले सकती है। यह अभिगम संस्कृति के अधिकार को शिक्षा के अधिकार के साथ-साथ संस्कृति से संबंधित यूनेस्को सम्मेलनों में निहित सिद्धांतों को सक्रिय करने का एक साधन है। इसके अलावा, "सांस्कृतिक अनुभव चिंतनशील व्यक्तियों को आकार देने में मदद करते हैं, व्यस्त नागरिकों की उत्पत्ति करते हैं, शहरों और शहरी जीवन को प्रभावित करते हैं, स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करते हैं और विशिष्ट आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं।"

हमें सामाजिक प्रगति के शक्तिशाली यन्त्र को कम नहीं आंकना चाहिए जो ज्ञान और संस्कृति तक व्यापक अभिगम का प्रतिनिधित्व करता है। ग्लैम्स आगंतुकों को शिक्षित, मनोरंजन, प्रेरणा और आनंद प्रदान करते हैं। जनता के लिए अपने संग्रह उपलब्ध कराकर, सूचना का प्रसार करके, और समाज-व्यापी बहस (ऑन-साइट और ऑनलाइन दोनों) आयोजित करने के लिए सार्वजनिक मंचों के रूप में सेवा करके, वे लोगों को, पीढ़ी दर पीढ़ी, उन्हें वचनबद्ध करने और भाग लेने के लिए संसाधनों की पेशकश करने में सशक्त बनाते हैं ताकि नागरिक जीवन में भाग लें और अपने और अपने समुदायों के भविष्य का निर्माण करें। ग्लैम्स सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्लैम्स हमारी विरासत का एक विश्वसनीय रिकॉर्ड रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सामूहिक स्मृति को संरक्षित करने के अपने जनहित मिशन को भी पूरा करते हैं। ग्लैम्स एकत्र करते हैं, संरक्षित करते हैं, अनुसंधान करते हैं, संवाद करते हैं, प्रदर्शित करते हैं और उस विरासत को बनाने वाली कलाकृतियों और इतिहास के अभिगम को बढ़ावा देता है । पुस्तकालय — उस मामले के लिए सभी ग्लैम्स —"ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण संग्रह के समृद्ध भंडार हैं, जिनमें से कई दुनिया में कहीं और उपलब्ध नहीं" हैं।

इसके अलावा, जबकि ग्लैम्स भौतिक स्थानों में संस्कृति का अभिगम प्रदान करने में अग्रणी हैं, डिजिटल साझाकरण स्थान मुख्य रूप से व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा चलाए जाते हैं जिनकी प्राथमिकताएँ ग्लैम्स की आवश्यकताओं के साथ संरेखित नहीं होती हैं, जिससे ग्लैम्स और उनके उपयोगकर्ताओं के लिए एक स्थायी, न्यायसंगत और सार्थक डिजिटल उपस्थिति स्थापित करना मुश्किल हो जाता है। अन्य सार्वजनिक हित के उपयोगों की तरह, बाजारों और उद्योगों के अलावा डिजिटल समाजों के निर्माण की दिशा में बदलाव की आवश्यकता है। कोविड-१९ महामारी, जिसने दुनिया भर में ग्लैम्स को अपने भौतिक स्थानों को बंद करने के लिए मजबूर किया है, ने इस आवश्यकता को बढ़ाया है और ग्लैम्स की डिजिटल उपस्थिति को सुविधाजनक बनाने वाले सत्त्वाधिकार ढांचे के महत्वपूर्ण महत्व को प्रदर्शित किया है।

असंतुलित सत्त्वाधिकार कानून ग्लैम्स को डिजिटल परिवेश में अपनी भूमिका पूरी तरह से निभाने से रोकते हैं

दुनिया भर में, ग्लैम्स विरासत संग्रह के लिए वैश्विक, समावेशी और न्यायसंगत पहुंच को संरक्षित और बढ़ाने के लिए नई डिजिटल तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें नियमित रूप से सर्वाधिकार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो उन्हें उन तकनीकों का लाभ उठाने से रोकती हैं। ग्लैम्स के मूल कार्य जैसे संरक्षण के लिए कार्यों की प्रतियां (डिजिटल) बनाना या शिक्षा, अनुसंधान, या असंतुलित सत्त्वाधिकार और अभिगम रूपरेखा से उपभोग काफी हद तक बाधित होते हैं जो तकनीकी प्रगति के साथ बनाए रखने में विफल हैं और डिजिटल युग के लिए अनुपयुक्त होते हैं।

उदाहरण के लिए, ग्लैम्स को कार्यों की सत्त्वाधिकार की स्थिति निर्धारित करने के लिए अक्सर समय लेने वाली और महंगी प्रक्रियाओं में व्यस्त होना चाहिए और इससे पहले कि वे (१) उन कार्यों को संरक्षित करने के लिए डिजिटाइज़ कर सकें और (२) उन्हें ऑनलाइन साझा कर सकें। यह विशेष रूप से सच है जहां संग्रह उन कार्यों से बने होते हैं जिन्हें उनके अधिकार धारकों द्वारा सक्रिय रूप से प्रबंधित नहीं किया जाता है या ऐसे कार्य जो व्यावसायिक प्रचलन में नहीं हैं (जिन्हें आउट-ऑफ-कॉमर्स और/या "अनाथ" कार्य भी कहा जाता है)। तथ्य यह है कि अधिकांश संरक्षण और साझाकरण गतिविधियों में सत्त्वाधिकार व्यवस्था के एक घपलेबाज़ी के भीतर सीमाओं का उपयोग शामिल हैं, निश्चित रूप से अनिश्चितता और अस्पष्टता को बढ़ाता है।

नतीजतन, उल्लंघन के अनुचित जोखिमों के सामने जटिल और बोझिल कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए कई वैध गतिविधियां नहीं की जाती हैं या काफी कम या संशोधित की जाती हैं। यह "शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का समर्थन करने और रचनात्मकता और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रसारित करने के उनके सार्वजनिक मिशन से विचलित करता है।" ये चुनौतियां समाज के आर्थिक विकास को धीमा करने, ज्ञान की असमानताओं को बढ़ाने, सामाजिक कल्याण को कम करने और दुनिया की डिजिटल सांस्कृतिक विरासत में "२०वीं शताब्दी के ब्लैक होल" को तराशने के संभावित परिणामों के साथ ज्ञान और संस्कृति तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करने के लिए ग्लैम्स के प्रयास को गंभीर रूप से कमजोर करती हैं।

स्पष्ट अपवादों के अभाव में सत्त्वाधिकार प्रबंधन की जटिलता ग्लैम्स की विशेष रूप से तीव्र जोखिम-प्रतिकूल, पारंपरिक और रूढ़िवादी प्रकृति और उनके प्रबंधनद्वारा जटिल है। यह सत्त्वाधिकार चिंता और स्थिरता के माध्यम से प्रकट होता है, जो कानून के इरादे को विफल करने का काम करते हैं, क्योंकि उपयोगकर्ता अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं करते हैं या कानूनी स्थिरता की स्थितियों में अपवादों का लाभ नहीं उठाते हैं। दूसरे शब्दों में, स्वयं बाधाओं को उठाने वाले कानूनों के अलावा, उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई के किसी भी कथित खतरे के प्रति व्यापक जोखिम से बचाव ग्लैम्स को उनके उद्देश्य को प्राप्त करने में बाधा डालता है। इसलिए ग्लैम्स अपनी "खुली" पेशकश को कम जोखिम वाले या सार्वजनिक डोमेन सामग्री को "सुरक्षित" करते हुए सिमित करता है, जिससे सांस्कृतिक विरासत कॉमन्स की एक अधूरी तस्वीर को ऑनलाइन रेखाचित्र किया जाता है।

समाधान सत्त्वाधिकार को पुन: जांचना और सुधारना है

जैसा कि उल्लेख किया गया है, ग्लैम को अक्सर पुराने या असंतुलित सत्त्वाधिकार कानूनों का पालन करने की आवश्यकता होती है। कम से कम सिद्धांत रूप में, संतुलन सत्त्वाधिकार के मूल है: एक तरफ रचनाकारों को सामान्य रूप से समाज के लाभ के लिए रचनात्मकता के लिए प्रोत्साहन और पुरस्कार के रूप में अधिकार दिए जाते हैं; दूसरी ओर, जनता और समाज के सदस्यों को ज्ञान और संस्कृति तक पहुंचने और एक समृद्ध, मजबूत और संपन्न सार्वजनिक डोमेन का आनंद लेने का अधिकार है। पुस्तकालयों, अभिलेखागार, संग्रहालयों और शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के लिए सत्त्वाधिकार सीमाओं और अपवादों पर २०१९ विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने ग्लैम्स के खिलाफ सत्त्वाधिकार के अस्वीकार्य रूप से विषम संतुलन पर प्रकाश डाला, वे संस्थाएँ जो सांस्कृतिक विरासत की देखभाल, देखभाल, संरक्षण और व्याख्या, समझने और साझा करने में मदद करती हैं। एक असंतुलित सत्त्वाधिकार प्रणाली ज्ञान तक पहुंच में असमानताओं को गहरा करती है, मानवता के विशाल और विविध ज्ञान के शरीर में छेद करती है और आज बनाए गए ज्ञान को कल उपलब्ध होने से रोकती है।

ग्लैम्स एक सत्त्वाधिकार व्यवस्था के लायक हैं जो उन्हें अपने सार्वजनिक हित मिशन को पूरा करने और सार्वजनिक डिजिटल स्पेस में खुद को स्थापित करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों द्वारा पेश किए गए अवसरों को पूरी तरह से अपनाने की अनुमति देता है। यदि सत्त्वाधिकार प्रणाली सार्वजनिक हित को नष्ट करना जारी रखती है, तो नीति निर्माताओं ने उस नुकसान को दूर करने का मौका गंवा दिया होगा, जिस पर वर्तमान सत्त्वाधिकार कानून लाखों नागरिकों को डिजिटल परिवेश में संस्कृति और ज्ञान के अभिगम के अपने मौलिक अधिकारों की गारंटी देने के लिए न्यूनतम कानूनी सुरक्षा उपायों की कमी है। अधिक आधुनिक और निष्पक्ष सत्त्वाधिकार ढांचे से सभी को बहुत कुछ हासिल करना है।

इस दस्तावेज़ में, हम ग्लैम्स द्वारा प्रदान की जाने वाली सार्वजनिक हित गतिविधियों और सेवाओं को प्रभावित करने वाले सत्त्वाधिकार मुद्दों को चार्ट करते हैं और इन सात मुख्य क्षेत्रों पर विचार करते हैं:

जनहित में स्पष्ट अपवादों और सीमाओं की आवश्यकता

ग्लैम्स को उनके मिशन को पूरा करने में सक्षम बनाने में अपवाद और सीमाएँ एक आवश्यक भूमिका निभाती हैं

संस्कृति, सांस्कृतिक विविधता, सांस्कृतिक और रचनात्मक उत्पादन, और संस्कृति के लोकतंत्रीकरण के लिए समान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए सत्त्वाधिकार कार्यों के सार्वजनिक हित और सामाजिक रूप से वैध उपयोग को सक्षम करने की आवश्यकता है। इनमें शिक्षा, अनुसंधान, पुस्तकालय सेवाओं, विकलांग लोगों के लिए उपयोग, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्यों के लिए उपयोग शामिल हैं। अपवाद और सीमाएं (या "उपयोगकर्ता के अधिकार") सत्त्वाधिकार धारक की अनुमति के बिना, अक्सर भुगतान के बिना ऐसे उपयोगों को कानूनी रूप से संचालित करने की अनुमति देते हैं। वे "नई रचनात्मकता को सशक्त बनाने, लेखकों को पुरस्कार बढ़ाने, शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने, गैर-व्यावसायिक संस्कृति के लिए स्थान संरक्षित करने और सांस्कृतिक कार्यों में समावेश और पहुंच को बढ़ावा देने के लिए सेवा प्रदान करते हैं। अपवादों और सीमाओं के अनुप्रयोग से उपयोगकर्ता और निर्माता दोनों समान रूप से लाभान्वित होते हैं। वे सत्त्वाधिकार प्रणाली के उचित संतुलन को प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं। आम कानून परंपरा वाले देशों में, वे अक्सर "उचित उपयोग" या "उचित व्यवहार" का रूप लेते हैं, और नागरिक कानून परंपरा वाले देशों में, वे आमतौर पर कानून में विशिष्ट और सटीक रूप से परिभाषित होते हैं। वे आर्थिक अधिकारों और/या नैतिक अधिकारों (विशेषता और सत्यनिष्ठा का अधिकार) के अपवाद हैं।

कुछ राष्ट्रीय सत्त्वाधिकार कानून अपवादों या सीमाओं के माध्यम से ग्लैम्स और उनके लाखों उपयोगकर्ताओं की वैध, सार्वजनिक हित की गतिविधियों को पूरी तरह से मान्यता देते हैं। जहां वे मौजूद हैं, अपवाद बहुत संकीर्ण, अस्पष्ट और असमान रूप से लागू होते हैं। सत्त्वाधिकार प्रथाओं और संग्रहालयों की चुनौतियों पर २०१९ की डब्ल्यूआईपीओ संशोधित रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी अनिश्चितता और सत्त्वाधिकार विवाद और मुकदमेबाजी से जुड़ी उच्च लागतों के कारण अपवादों और सीमाओं को अक्सर अच्छी तरह से समझा या उपयोग नहीं किया जाता है।

इसलिए, ग्लैम्स और उनके उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए एनालॉग और डिजिटल दोनों स्थानों में लागू अपवादों और सीमाओं की गारंटी देने की तत्काल वैश्विक आवश्यकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सक्षम हो सकें:

प्रत्यक्ष लाभार्थियों के रूप में ग्लैम्स

- डिजिटल प्रौद्योगिकियों की सहायता सहित संरक्षण के उद्देश्यों के लिए कार्यों को पुन: प्रस्तुत करना
- प्रदर्शन और प्रदर्शन कार्य ऑनलाइन डिजिटल रूप से काम करता है, जिससे जनता द्वारा कार्यों तक पहुंच सुनिश्चित होती है
- पुनरुत्पादन और उन कार्यों तक पहुंच प्रदान करें जो उनके अधिकार धारकों द्वारा सक्रिय रूप से प्रबंधित नहीं हैं या ऐसे कार्य जो वाणिज्यिक प्रचलन में नहीं हैं (जिन्हें अनाथ कार्य और आउट-ऑफ-कॉमर्स कार्य भी कहा जाता है)
- उनके संग्रह से जन्म-डिजिटल ई-कार्यों और डिजीटल कार्यों को उधार दें
- सार्वजनिक भाषण और समाचार रिपोर्टिंग के संदर्भ में कार्यों का उपयोग करें
- उद्धरण, आलोचना, समीक्षा और हास्यानुकृति, व्यंग्य-चित्र और कृत्रिम चीज़के प्रयोजनों के लिए कार्यों का उपयोग करें

उपयोगकर्ता/जनता के सदस्य प्रत्यक्ष लाभार्थी के रूप में

- शैक्षिक, शिक्षण या निजी उद्देश्यों के लिए उपयोग और उपयोग कार्य, जैसे अनुसंधान और निजी अध्ययन 3 डी प्रिंटिंग करते हैं और मेकरस्पेस में उपयोग की अनुमति देना
- किसी भी उद्देश्य के लिए टेक्स्ट और डेटा माइनिंग करना
- पैनोरमा की स्वतंत्रता का प्रयोग करना
- विकलांग लोगों के लिए सुलभ प्रारूपों में कार्यों तक पहुंच प्रदान करना
- पुनर्मिश्रित और उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के अन्य रूपों जैसे परिवर्तनकारी उपयोग करना

इसके अलावा, अपवादों के प्रभावी संचालन की गारंटी होनी चाहिए, जिसका अर्थ है कि अपवादों को अनुबंध अधिभावी और तकनीकी सुरक्षा उपायों (टीपीएम) से संरक्षित किया जाना चाहिए और उन्हें सीमा पार पतिस्थितियों में लागू होना चाहिए। इसके अलावा, लाइसेंसिंग और निजी अनुबंध, जो अक्सर केवल सबसे बड़ी और सबसे कानूनी रूप से परिष्कृत संस्थाओं के लिए व्यावहारिक होता है, कानून द्वारा सभी के लिए प्रत्याभूत अपवादों और सीमाओं का विकल्प नहीं है।

ग्लैम अपवादों के प्रत्यक्ष लाभार्थियों के रूप में

सांस्कृतिक विरासत तक पहुंच की अनिवार्य शर्त है संरक्षण

वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए विरासत को संरक्षित करने के लिए ग्लैम्स का एक मुख्य कार्य होता है, जिसे अक्सर कानून द्वारा अनिवार्य किया जाता है। महत्वपूर्ण संग्रह कई कारणों से हानि या निम्नीकरण से जोखिम में हैं, जैसे चोरी, जानबूझकर या अनजाने में विनाश, पदच्युत करना या हटाना, भंडारण मीडिया का अप्रचलन (डिजिटल प्रारूपों सहित), अपर्याप्त भंडारण की स्थिति या जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते समुद्र के स्तर से बाढ़ और आग जैसी चरम घटनाएं। इस प्रकार ग्लैम्स को क्षतिग्रस्त कार्यों को बदलने और अस्तित्व और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अक्सर विरासत संग्रह की एक संरक्षण प्रति बनाने की आवश्यकता होती है।

उन न्यायालयों में पुनरुत्पादन अधिकार के पर्याप्त अपवाद के बिना, ग्लैम्स एक संरक्षण प्रतिलिपि बनाने के लिए कानूनी रूप से कॉपी (डिजिटलीकरण) नहीं कर सकते हैं। उन्हें कई अधिकार धारकों की अनुमति प्राप्त करने और/या उन्हें पारिश्रमिक (अक्सर सार्वजनिक धन से) प्रदान करने की आवश्यकता हो सकती है। कहने की जरूरत नहीं है कि यह महंगा, बोझिल, अक्सर अक्षम्य या, अधिकांश मामलों में, भौतिक रूप से असंभव है। यह संस्कृति तक पहुंच में जनहित का समर्थन करने के सत्वाधिकार के मूल सिद्धांत के विपरीत भी चलता है।

इस प्रकार सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सत्वाधिकार कानून ग्लैम्स को संरक्षण उद्देश्यों के लिए सांस्कृतिक विरासत सामग्री की प्रतियां कानूनी रूप से बनाने और संग्रहीत करने की अनुमति दे। इसमें उन कार्यों की संरक्षण प्रतियां बनाना शामिल होना चाहिए, जिन तक उनकी तृतीय-पक्ष सर्वर (जैसे ओपन-एंडेड लेंड पर काम), साथ ही साथ अन्य आंतरिक उपयोग (जैसे सूचीबद्ध) और वेब हार्वेस्टिंग पर पहुंच हो। संरक्षण के प्रयोजनों के लिए सभी प्रकार के सत्वाधिकार विषय वस्तु के लिए पुनरुत्पादन की अनुमति दी जानी चाहिए (जैसे कार्यों के पुनर्निर्माण के लिए, खोए हुए कार्यों के

प्रतिस्थापन, आदि) और इस तरह के संरक्षण के लिए आवश्यक सीमा तक, माध्यम, प्रारूप या प्रतियों की संख्या के रूप में किसी भी प्रतिबंध के बिना। इसके अलावा, ग्लैम्स को दूसरों (अन्य ग्लैम्स या अन्य तृतीय पक्षों) के साथ काम करने में सक्षम होना चाहिए; ग्लैम्स की ओर से कौन सी संस्था संरक्षण पुनरुत्पादन कर सकती है, इसकी कोई सीमा नहीं होनी चाहिए।

डिजिटल प्रदर्शन और कार्यों की प्रदर्शनी संग्रह के लिए दूरस्थ अभिगम सुनिश्चित करने के साधन हैं

जनता के लिए प्रदर्शन, प्रदर्शनी और संचार के संबंध में, ग्लैम्स ऑनलाइन गतिविधियों को अंजाम देना चाह सकते हैं, जैसे कि सभी के लिए डेटाबेस उपलब्ध कराना, आभासी दौरे आदि। यह ज्ञान के प्रसार को प्रोत्साहित करता है और दूरस्थ दर्शकों के साथ आउटरीच और कनेक्शन का समर्थन करता है, जैसे शिक्षक और शोधकर्ता जो विरासत के अभिगम के लिए यात्रा नहीं कर सकते। उपयोग किए गए प्लेटफ़ॉर्म के प्रकार, यानी संस्थागत वेबसाइट, तृतीय-पक्ष ऑनलाइन स्थान (जैसे, यूरोपाना, स्केचफैब, फ़्लिकर कॉमन्स); सोशल मीडिया, आदि के बारे में कोई सीमा नहीं होनी चाहिए। इस अपवाद में प्रदर्शनी कैटलॉग (एनालॉग और डिजिटल दोनों स्वरूपों में) में कार्यों के पुनरुत्पादन का अधिकार शामिल होना चाहिए।

ग्लैम्स को अनाथ कार्यों और आउट-ऑफ-कॉमर्स कार्यों को संरक्षित करने और उन तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए

अनाथ कार्य सत्त्वाधिकार-संरक्षित कार्य हैं जिनके लेखक या अधिकार धारक की पहचान करना या उनका पता लगाना असंभव है। आउट-ऑफ-कॉमर्स कार्य (ओओसीडब्ल्यू) ऐसे कार्य हैं जो अभी भी सत्त्वाधिकार द्वारा संरक्षित हैं, लेकिन अब व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

बहुत सी सांस्कृतिक विरासत सामग्री जो ग्लैम्स के प्रबंधक हैं, वाणिज्य से बाहर हैं और/या अनाथ हैं। इन सामग्रियों के लिए, सत्त्वाधिकार प्रणाली अनम्य साबित होता है और लेखकों और/या अधिकार धारकों को कोई लाभ प्रदान नहीं करते हुए डिजिटलीकरण और ऑनलाइन उपलब्ध कराने में एक बड़ी बाधा साबित होती है। ओओसीडब्ल्यू (या अन्य विषय वस्तु) के बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण और सीमा पार पहुंच की सुविधा के लिए एक अपवाद होना चाहिए। इस अपवाद को अधिमानतः प्रतिबंध के बिना लेकिन कम से कम गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग और पुन: उपयोग की अनुमति देनी चाहिए। एक उपयुक्त शर्त यह है कि लेखक या किसी अन्य पहचान योग्य अधिकार धारक का नाम इंगित किया जाना चाहिए (जब तक कि यह असंभव न हो)।

निम्नलिखित कारणों से अनिवार्य अपवाद के विकल्प के रूप में सामूहिक प्रबंधन समितियों द्वारा ग्लैम्स और अन्य उपयोगकर्ताओं को अनाथ कार्यों की सामूहिक लाइसेंसिंग को दृढ़ता से हतोत्साहित किया जाना चाहिए: लाइसेंसिंग से लेन-देन की लागत बढ़ जाती है, देरी होती है और ग्लैम्स के संरक्षण के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होती है और ऐसी मुख्य गतिविधियों से किसी भी सीमित उपलब्ध धन को हटाकर ओओसीडब्ल्यू और अनाथ कार्यों को उपलब्ध कराना चाहिए। अधिकांश ग्लैम्स के लिए अनुज्ञप्ति एक जबरदस्त बाधा है, जो आमतौर पर कम वित्त पोषित और कम-संसाधन वाले सार्वजनिक संस्थान हैं।

ग्लैम्स को ई-लेंडिंग और नियंत्रित डिजिटल लेंडिंग करने में सक्षम होना चाहिए

ई-लेंडिंग एक सीमित अवधि के लिए एक उधारकर्ता को एक ई-पुस्तक उधार देने की प्रथा है।
चूंकि ई-लेंडिंग में सामग्री का पुनरुत्पादन और संचार शामिल है, सत्त्वाधिकार कानून को ट्रिगर किया जा सकता है, विशेष रूप से पुस्तकालयों में ग्लैम्स के लिए स्पष्ट अपवादों की आवश्यकता के लिए, अपने उपयोगकर्ताओं को ईबुक उपलब्ध कराने में सक्षम होने के लिए।

नियंत्रित डिजिटल उधार (सीडीएल) वह तंत्र है जिसके द्वारा पुस्तकालय अपने संग्रह से एक समय में एक उधारकर्ता को डिजीटल सामग्री की एक प्रति उधार दे सकते हैं, जैसे वे एक भौतिक पुस्तक को देते हैं। ई-लेंडिंग के विपरीत, सीडीएल डिजीटल कार्यों के बारे में है, न कि जन्म-डिजिटल सामग्री के बारे में। सीडीएल पुस्तकालय की ऋण कार्यों की क्षमता को अधिकतम बढ़ाता करता है, जिससे संपूर्ण ऋण प्रणाली अधिक कुशल और न्यायसंगत हो जाती है। ग्लैम्स को सार्वजनिक रूप से एक सार्थक पहुंच बिंदु के रूप में कार्य करने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए। सत्त्वाधिकार कानून को सीडीएल के

अभ्यास को प्रोत्साहित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस वैध अभ्यास की अनुमति देने के लिए कानूनी तंत्र मौजूद रहें।

ग्लैम्स को सार्वजनिक भाषण और समाचार रिपोर्टिंग में संलग्न होने की अनुमति दी जानी चाहिए

सार्वजनिक भाषण और वर्तमान घटनाओं की रिपोर्टिंग के बारे में अपवाद ग्लैम्स के लिए महत्वपूर्ण हैं, उनकी प्रथाओं पर विचार करते हुए - वे सामग्री जो वे प्रदर्शित कर सकते हैं, जिसमें सार्वजनिक भाषण या समाचार सामग्री शामिल है, लेकिन वे कार्यक्रम भी हो सकते हैं, और संबंधित संचार सामग्री जो वे उत्पन्न या प्रदर्शित कर सकते हैं।

ग्लैम्स को उद्धरण, आलोचना, समीक्षा और हास्यानुकृति, व्यंग्य-चित्र और कृत्रिम चीज़ के प्रयोजनों के लिए कार्यों का उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए

उद्धरण, आलोचना, समीक्षा और हास्यानुकृति, व्यंग्य-चित्र और कृत्रिम चीज़ के प्रयोजनों के लिए अपवाद स्वयं ग्लैम्स के लिए विशेष रुचि के हैं जो की ग्लैम्स के लिए उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए कार्यों के साथ-साथ स्वयं द्वारा बनाए गए हैं। एक उपयुक्त शर्त यह है कि लेखक के नाम सहित स्रोत का संकेत दिया जाना चाहिए, जब तक कि यह असंभव न हो जाए। एक अन्य उपयुक्त शर्त यह है कि उपयोग उचित व्यवहार के अनुसार होना चाहिए और केवल उस सीमा तक अनुमति दी जानी चाहिए जो उद्देश्य के लिए आवश्यक हो (जैसे आलोचना, समीक्षा, आदि)।

प्रत्यक्ष लाभार्थी के रूप में ग्लैम उपयोगकर्ता

ग्लैम्स को शिक्षा, शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए गतिविधियों को सक्षम करने की अनुमति देनी चाहिए

कई ग्लैम्स अपने उपयोगकर्ताओं (व्यक्तियों, संस्थानों या संगठनों) को अनुसंधान, शिक्षा और अन्य गैर-व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करने के अवसर प्रदान करते हैं जो सत्त्वाधिकार प्रतिबंधों के अधीन नहीं होने चाहिए, क्योंकि वे सार्वजनिक हित में आयोजित किए जाते हैं। शिक्षा के लिए अपवाद और सीमाएं जिनका उद्देश्य शिक्षा के लिए सत्त्वाधिकार का लाभ उठाना है, अधिकार-धारक (भुगतान के साथ या बिना) से प्राधिकरण के बिना शैक्षिक उद्देश्यों के लिए कार्यों का उपयोग करना संभव बनाता है। शिक्षा से संबंधित अपवाद सभी क्षेत्राधिकारों में भिन्न होते हैं और आम तौर पर अध्ययन, शिक्षण, निजी या व्यक्तिगत उपयोग और उद्धरण से जुड़े कुछ विशिष्ट उपयोगों की अनुमति देते हैं। कुछ देशों में, निष्पक्ष व्यवहार या उचित उपयोग के सिद्धांत के तहत इन उपयोगों की अनुमति है। वे आम तौर पर पुनरुत्पादन, प्रकाशन, प्रदर्शन और संचार (ऑनलाइन संचार सहित) के अधिकारों के संबंध में लागू होते हैं। कुछ कानून शैक्षिक उद्देश्यों के लिए पुनरुत्पादन और अनुकूलन के लिए अनिवार्य लाइसेंस (कानून द्वारा निर्धारित लाइसेंस शुल्क के भुगतान पर हमेशा अनुमत उपयोग) प्रदान करते हैं।

शिक्षा, शिक्षण, छात्रवृत्ति और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए अपवाद और सीमाएं विभिन्न मामलों में प्रासंगिक हैं, क्योंकि सांस्कृतिक विरासत सामग्री जो ग्लैम्स रखती है, व्यक्तिगत विकास और स्कूल प्रशिक्षण, शिक्षा, अध्ययन के साथ-साथ वैज्ञानिक और शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों का प्रतिनिधित्व करती है। उदाहरण के लिए, वे ग्लैम्स को उन छात्रों और शोधकर्ताओं को कार्यों की प्रतियां या अनुवाद प्रदान करने की अनुमति देते हैं जो सीधे उनका अभिगम नहीं कर सकते। ग्लैम्स अंतर-संस्थागत ऋण को भी संभव बनाते हैं और उन सामग्रियों तक स्थानीय पहुँच प्रदान करते हैं जो आमतौर पर दूर के संस्थानों में रहती हैं।

ग्लैम्स को ३डी प्रिंटिंग करने और मेकरस्पेस में उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए

ग्लैम्स अपने कर्मचारियों और उपयोगकर्ताओं दोनों के लाभ के लिए, संरक्षण या रचनात्मकता उद्देश्यों के लिए, निर्माताओं और अन्य नवाचार स्थानों (जैसे फैब लैब, हैकरस्पेस और तकनीकी दुकानों) की तेजी से मेजबानी कर रहे हैं। ग्लैम्स द्वारा ३डी प्रिंटिंग का उपयोग सांस्कृतिक विरासत कार्यों की प्रतियां और पुनरुत्पादन करने के लिए किया गया है (कभी-कभी ऐसे कार्य सार्वजनिक डोमेन में होते हैं; अन्य अवसरों पर, वे अभी भी सत्त्वाधिकार संरक्षण के अधीन हैं)। विशेष रूप से ग्लैम्स के लिए सुरक्षा के संदर्भ में, इस तरह की गतिविधियों ने सत्त्वाधिकार अपवादों में कुछ कमियों को उजागर किया है। ग्लैम्स द्वारा

३डी प्रिंटिंग के उपयोग ने सत्त्वाधिकार अपवादों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।

ग्लैम्स का संग्रह टेक्स्ट और डेटा खनन के लिए उपलब्ध होना चाहिए

टेक्स्ट और डेटा खनन (टीडीएम) मशीन द्वारा पढ़े जा सकने वाले शब्दों से जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि टीडीएम गतिविधियां हमेशा सत्त्वाधिकार अनन्य अधिकार के प्रयोग को शामिल नहीं करती हैं। क्योंकि टीडीएम के संचालन के लिए कई अलग-अलग तरीके हैं, चाहे वह अधिकार धारक के अनन्य अधिकार के प्रयोग को दर्शाता हो, यह अधिकार क्षेत्र, विशिष्ट प्रकार की खनन गतिविधि और अंतर्निहित डेटा सत्त्वाधिकार के अधीन है या नहीं, इस पर निर्भर करेगा। उदाहरण के लिए, कुछ अधिकार क्षेत्र यह मान सकते हैं कि टीडीएम पुनरुत्पादन का एक कार्य है, इसलिए सही धारक से अनुमति की आवश्यकता हो सकती है। अन्य मामलों में, टीडीएम एक अपवाद के अंतर्गत आ सकता है, जैसे कि उचित उपयोग, जिस स्थिति में अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। उन क्षेत्राधिकारों में जहां टीडीएम अधिकार धारक के अनन्य अधिकार को दर्शाता है, किसी को भी अधिकार धारकों की अनुमति के बिना, वाणिज्यिक या नहीं, किसी भी उद्देश्य के लिए डेटा विश्लेषण करने की अनुमति देने के लिए एक अपवाद होना चाहिए।

ग्लैम्स और जनता को परिदृश्य अपवाद की स्वतंत्रता से लाभ उठाना चाहिए

परिदृश्य की स्वतंत्रता का तात्पर्य तस्वीरों, वीडियो या कार्यों की फिल्मों को लेने और प्रकाशित करने की क्षमता से है, मुख्य रूप से वास्तुकला या मूर्तिकला के काम (लेकिन कभी-कभी अन्य प्रकार के काम जैसे कि साहित्यिक या कलात्मक कार्य), सार्वजनिक स्थानों पर स्थायी रूप से स्थित होते हैं, अपवाद के रूप में जनता के लिए पुनरुत्पादन और संचार के अधिकारों से अलग है। यह अपवाद ग्लैम के लिए प्रमुख महत्व का है, क्योंकि यह सार्वजनिक स्थानों को लक्षित करता है जहां सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शित या वर्तमान होती है। जहाँ कोई अपवाद नहीं है, वहाँ आगंतुकों और जनता को इस तरह की कला की तस्वीरों को प्रकाशित करने से पहले सार्वजनिक स्थानों पर कला को सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक बोझिल देखभाल करने की आवश्यकता होगी, जनता पर अनुचित बोझ डालने और सार्वजनिक क्षेत्र में कला के कार्य का खंडन करती है।

अपवाद को बाहरी स्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बंद स्थानों को भी शामिल किया जाना चाहिए, इसलिए जब तक वे जनता के लिए सुलभ हैं, एक सार्वजनिक स्थान का गठन करने की व्यापक व्याख्या के रूप में सार्वजनिक हित में कार्य करता है। वाणिज्यिक हों या नहीं, इसे सभी प्रकार के उपयोगों को सम्मिलित करना चाहिए।

ग्लैम्स विकलांग उपयोगकर्ताओं को कानूनी रूप से अभिगम प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए

विकलांग लोगों के लिए कार्यों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य अपवादों के लिए २०१३ विपो मारकेश संधि के प्रावधान सही दिशा में एक महान कदम हैं, लेकिन दुर्भाग्य से पाठ्यपुस्तकों और मुद्रित सामग्रियों तक सीमित हैं।नीति निर्माताओं को अपवादों के लिए बढ़ावा देने के लिए एक कठोर कदम उठाना चाहिए जो ग्लैम्स के लिए अधिकृत संस्थाओं के रूप में सुलभ प्रारूपों में प्रजनन करने की अनुमति देते हैं और कई और प्रकार के कार्यों (जैसे, कलात्मक, संगीत और दृश्यमान कार्यों) के लिए सही पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रकार के कार्यों तक पहुंच प्रदान करें। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया में ग्लैम्स के लिए एक सत्त्वाधिकार अपवाद है जो विकलांगता वाले लोगों तक अभिगम प्रदान करता है। इसके अलावा, विकलांग लोगों के लिए यह एक उचित बचाव प्रदान करता है जो कि सत्त्वाधिकार कार्यों तक अभिगम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कुछ ग्लैम दृष्टिदोष के साथ उपस्थित लोगों के लिए अपने काम को अधिक सुलभ बनाने के लिए स्पर्श प्रदर्शनी कर रहे हैं।

इसके अलावा, सत्त्वाधिकार संरक्षण के अधीन होने से और अधिकारों का दावा करने वाले सुलभ संस्करणों को बनाने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं से पहुंच के लिए बनाए जाने वाले सार्वजनिक कार्यक्षेत्र कार्यों के संस्करणों को रोकने के लिए उपायों की आवश्यकता होती है। कम से कम, अधिकृत संस्थाओं द्वारा अभिगम्यता के उद्देश्यों के लिए बनाए गए कार्यों के नए संस्करणों को अंतर्निहित कार्यों के समान सीमाओं और अपवादों के अधीन होना चाहिए।

पुनर्मिश्रित और उपयोगकर्ता द्वारा उत्पन्न सामग्री

ग्लैम्स उपयोगकर्ताओं को रीमिक्स और उपयोगकर्ता-जनित सामग्री (यूजीसी) बनाने और दूसरों को ऐसा करने में सक्षम बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए। यूजीसी प्रशंसकों और अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा बनाई गई सामग्री (छवियों, पाठ, वीडियो, ऑडियो, आदि) को संदर्भित करता है, जो की अक्सर मौजूदा सामग्री को अनुकूलित या पुनर्मिश्रित करके और इसे

ऑनलाइन साझा करते है। उदाहरण के लिए, सूचीपत्र और विज्ञापन सामग्री, सामूहिक कार्य और संग्रह से सामग्री के रचनात्मक पुनर्मिश्रित आदि, यूजीसी में शामिल हो सकते हैं। जबकि उपयोगकर्ताओं द्वारा सामग्री के निर्माण में अनन्य अधिकार निहित हो सकते हैं, रचनात्मक प्रक्रिया और अंतिम परिणाम आमतौर पर अत्यधिक परिवर्तनकारी होते हैं और उनका निर्माण सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से उस सीमा तक लाभकारी होता है, जो यूजीसी के लिए उपयोग किए जाने वाले उपयोग को एक अपवाद या सीमा द्वारा अन्तर्निहित किया जाना चाहिए।

अपवादों के प्रभावी संचालन का आश्वसन मिलना चाहिए

प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए, अपवाद अनिवार्य होना चाहिए और (१) सीमा पार समायोजन में लागू होना चाहिए, (२) अनुबंध अधिभावी से सुरक्षित होना चाहिए, और (३) तकनीकी सुरक्षा उपायों (टीपीएम) द्वारा अतिक्रमण नहीं किया जाना चाहिए।
यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि किसी कार्य को लाइसेंस देने की क्षमता अनिवार्य अपवादों का विकल्प नहीं है।

ग्लैम्स को सीमा पार के अपवादों से लाभ उठाने में सक्षम होना चाहिए

ग्लैम संग्रह के सांस्कृतिक दस्तावेज और कलाकृतियाँ कभी-कभी इतिहास के विभिन्न रूप: सशस्त्र संघर्ष, उपनिवेशवाद, प्रवास, आदि, के कारण कई देश की सीमाओं में बिखरी हुई हैं। क्योंकि सत्त्वाधिकार कानून क्षेत्रीय हैं, इससे उपयोगकर्ताओं के लिए अनुसंधान या अन्य उद्देश्यों के लिए उन संग्रह तत्वों को कानूनी रूप से अभिगम करना और उनका उपयोग करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, डिजिटलीकरण परियोजनाएं महंगी हैं और इसमें अक्सर विभिन्न देशों में कई भागीदारों का सहयोग शामिल होता है।

अपवादों पर वैश्विक सामंजस्य की कमी इन सीमा-पार उपयोगों और परियोजनाओं के लिए अनुचित चुनौतियां प्रस्तुत करती है। कला से प्रेरणा लेना। विपो मराकेश संधि के अनुच्छेद 5 से प्रेरणा लेते हुए, सीमा पार से उपयोग की अनुमति देने वाला एक सामान्य सत्त्वाधिकार प्रावधान होना चाहिए।

अनुबंधों को अपवादों को अधिभावी नहीं करना चाहिए

आजकल, कई ग्लैम्स अनुबंधों (विशेषकर अनुज्ञप्ति समझौतों) में बद्ध जाते हैं जो स्पष्ट रूप से उनकी सामान्य गतिविधियों के संचालन में अपवादों पर भरोसा करने की उनकी क्षमता को हटा देते हैं; उदाहरण के लिए, विपो मराकेश संधि के तहत आश्वस्त अपवाद कभी-कभी संविदात्मक शर्तों द्वारा अनुचित रूप से प्रतिबंधित होते हैं। यह सत्त्वाधिकार कानून के पत्र और भावना के विपरीत है। सभी अपवादों और सीमाओं को संविदात्मक अधिभावी से संरक्षित किया जाना चाहिए। दूसरे शब्दों में, अपवादों पर भरोसा करके किए जा सकने वाले उपयोगों को कम करने या रद्द करने का कोई संविदात्मक शर्तों का प्रभाव नहीं हो सकता है।

तकनीकी सुरक्षा उपायों को अपवादों को अधिभावी नहीं करना चाहिए

ग्लैम्स को कभी-कभी तकनीकी सुरक्षा उपायों (टीपीएम) के कारण वैध उद्देश्यों के लिए कार्यों का उपयोग करने से रोका जाता है, जैसे कि पासवर्ड-संरक्षित, वॉटरमार्क, या अन्यथा तकनीकी रूप से बद्ध डिजिटल कार्य। उदाहरण के लिए, वे टीपीएम द्वारा बद्ध किए गए कार्यों के संरक्षण उद्देश्यों के लिए, पुनरुत्पादन करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। यह दोनों तकनीकी प्रतिबंधों के कारण हो सकता है - इसे खण्डित करने के लिए कोई उपकरण नहीं है, या जिनके पास है उनके लिए उपकरण प्राप्त करने का कोई तरीका नहीं है - और कानूनी, क्योंकि गतिविधि स्वयं गैरकानूनी हो सकती है, भले ही उपयोग अपवाद या परिसीमन द्वारा छिपा हो। कम्युनिया एसोसिएशन ने २०१६ के एक यूरोपीय अध्ययन का उल्लेख किया जिसमें पाया गया कि शिक्षा समुदाय के एक तिहाई उपयोगकर्ता सत्त्वाधिकार सामग्री का अभिगम नहीं कर सके, जिसे टीपीएम के कारण उन्हें अपवाद के आधार पर उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

अपवादों और सीमाओं को अधिभावी करने के लिए टीपीएम, डिजिटल अधिकार प्रबंधन (डीआरएम) या अन्य तकनीकी प्रतिबंधों का उपयोग सत्त्वाधिकार के सार्वजनिक हित मूल्यों के खिलाफ जाता है और एक सुसंगत सत्त्वाधिकार ढांचे के लक्ष्य को अपरिवर्तनीय रूप से कमजोर करता है।

टीपीएम का उपयोग अपवादों या सीमाओं के तहत अनुमत गतिविधियों और उपयोगों को नियंत्रित करने, सीमित करने, रोकने या अन्यथा प्रभावित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।
कानून में यह प्रावधान होना चाहिए कि अपवादों और सीमाओं के प्रयोग को सक्षम करने के लिए कार्यों के वैध उपयोग के लिए

टीपीएम की अनुमति दी जानी चाहिए, उदाहरण के लिए, संरक्षण उद्देश्यों के लिए पुनरुत्पादन, साथ ही तकनीकी उपायों के पीछे सार्वजनिक कार्यक्षेत्र सामग्री को बंद करने के प्रतिकूल प्रभावों का मुकाबला करना। ग्लैम्स के लिए ऐसे उपकरण और सेवाएँ प्रदान करना भी वैध होना चाहिए जो कार्यों के गैर-उल्लंघनकारी उपयोगों के उद्देश्य से टीपीएम को चकमा देने में सक्षम हों। जहां सत्त्वाधिकार अपवाद और डीआरएम या टीपीएम टकराते हैं, पूर्व को प्रबल होना चाहिए। टीपीएम और डीआरएम जो अपवाद के उपभोग को रोकेंगे, उन्हें अप्रवर्तनीय माना जाना चाहिए।

अनुज्ञप्ति अपवादों का विकल्प नहीं है

कई अपवाद मौलिक अधिकारों की रक्षा करते हैं और इस तरह सत्त्वाधिकार अधिकारों के साथ अधिकार-से-अधिकार के संबंध में विचार किया जाना चाहिए, अपवाद का अधिकार नहीं। इसलिए, अपवाद उपयोगकर्ता अधिकार या उपयोग अधिकार हैं; वे अनिवार्य आधार रेखा निर्धारित करते हैं कि अक्सर मौलिक अधिकारों और समाज के मूल मूल्यों की सेवा के लिए उपयोगकर्ता कम से कम क्या कर सकते हैं। उपयोगकर्ता अधिकारों द्वारा संरक्षित न्यूनतम से परे कृत्यों के संदर्भ में उपयोग किए जाने पर अनुज्ञप्ति पक्षों को निश्चितता देता है। इस प्रकार, दोनों एक ही प्रणाली का हिस्सा हैं और एक दूसरे को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है। एक प्रणाली जो केवल अनुज्ञप्ति पर निर्भर करेगी, मौलिक अधिकारों और महत्वपूर्ण सामाजिक मूल्यों से वंचित करेगी, खासकर उन लोगों के लिए जो पहले से ही कम से कम सुविधा प्राप्त कर चुके हैं। एक प्रणाली जो केवल अपवादों पर निर्भर करती है, कई सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से मूल्यवान उपयोगों को अस्वीकार कर देगी, जो कि जनता के सभी सदस्य स्वतंत्र रूप से करने के हकदार हैं। दोनों को मिलकर काम करना चाहिए। फिर भी यह समझना महत्वपूर्ण है कि गैर-उल्लंघनकारी उपयोग जो सत्त्वाधिकार धारकों के अधिकारों के दायरे से बाहर हैं, उन्हें अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं है। इसलिए अनुज्ञप्ति की व्यवस्था का उपयोग उस दायरे का विस्तार करने के लिए किया जा सकता है जो उपयोगकर्ता कानूनी रूप से संरक्षित कार्यों के साथ कर सकते हैं; उनका उपयोग ऐसे कार्यों के अन्यथा वैध उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं की क्षमता को सीमित करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

सार्वजनिक कार्यक्षेत्र को अतिरिक्त सत्त्वाधिकार के परतों से सुरक्षित करना

सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में काम अक्सर ग्लैम्स के संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में विरासत सामग्री के ग्लैम्स के खुले साझाकरण असीम रचनात्मकता को अनलॉक कर सकते हैं और ज्ञान की प्रगति के लिए उत्पादक उपयोग की अनुमति दे सकते हैं। जब सार्वजनिक कार्यक्षेत्र कार्यों को ग्लैम्स द्वारा व्यापक रूप से साझा किया जाता है, तो कोई भी उनका पुन: उपयोग कर सकता है और कुछ नया और अप्रत्याशित बनाने के लिए उन पर निर्माण कर सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सार्वजनिक कार्यक्षेत्र की सीमाएं दुनिया में हर जगह समान नहीं हैं। क्योंकि सुरक्षा की अवधि भिन्न होती है, और क्योंकि कुछ अधिकार और विषय वस्तु कुछ देशों में मौजूद हो सकती है, लेकिन अन्य में नहीं, सत्त्वाधिकार द्वारा संरक्षित क्या है या क्या नहीं है, यह क्षेत्राधिकार से क्षेत्राधिकार में भिन्न होने की संभावना है। दुर्भाग्य से, (१) कानून के माध्यम से सत्त्वाधिकार संरक्षण का विस्तार और (२) सार्वजनिक डोमेन सामग्री पर गलत सत्त्वाधिकार दावों के कारण सार्वजनिक कार्यक्षेत्र गंभीर तनाव में है।

दुनिया भर में, नए सत्त्वाधिकार अधिकार बनाए जा रहे हैं और मौजूदा अधिकारों को सार्वजनिक हितों की रक्षा या उन्हें आगे बढ़ाने के लिए संबंधित पुनर्गणना के बिना विस्तारित किया गया है। अक्सर, विधायक बिना किसी सबूत या औचित्य के तर्क देंगे कि मजबूत सत्त्वाधिकार सुरक्षा से कलाकारों के लिए अधिक रचनात्मकता और बेहतर स्थितियां पैदा होंगी। सार्वजनिक हित का समर्थन करने और सार्वजनिक कार्यक्षेत्र की रक्षा करने के लिए बिना किसी संतुलन तंत्र के रचनाकारों को दिए गए अधिकारों के दायरे और प्रकारों में सत्त्वाधिकार की यह निरंतर बढ़ती पहुंच खतरनाक है। नए अधिकार प्रदान करने से अधिकारों के अधिव्यापन के बारे में महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा होती हैं, जिससे अति-संरक्षण और अतिरेक (विशेषकर मुकदमेबाजी के माध्यम से) होता है, जिसका रचनात्मकता, नवाचार और सार्वजनिक वस्तुओं के प्रावधान पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विशिष्ट अधिकारों पर इस तरह का निरंतर अधिक से अधिक ज़ोर देना पहले से ही जटिल क्षेत्र को पेचीदा बनाता है, सार्वजनिक कार्यक्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, और सांस्कृतिक विरासत तक पहुंचने और पुन: उपयोग करने के लोगों के अधिकारों को गंभीर रूप से कम करता है।

इसके अलावा, कई ग्लैम (साथ ही वाणिज्यिक प्रकाशक और छवि लाइसेंसिंग पुस्तकालय जो ग्लैम सामग्री का डिजिटलीकरण करते हैं) अभी भी सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में कार्यों के वफादार (गैर-मूल) डिजिटल प्रतिकृतियों पर अधिकारों का दावा करने के गलत और कई बार गैरकानूनी अभ्यास में संलग्न हैं। यह विघटनकारी और समस्याग्रस्त है। यह सार्वजनिक कार्यक्षेत्र को और बढ़ाता है और पुन: उपयोग की संभावनाओं को बाधित करता है। अफसोस की बात है कि कार्यों के डिजिटल पुनरुत्पादन पर अधिकारों (अनुपस्थिति) से संबंधित असंगत ग्लैम प्रथाएं डिजिटलीकरण के आसपास के निर्णयों को प्रभावित करती हैं, दूसरी सत्त्वाधिकार बाधा के पीछे संग्रह को बंद करने का जोखिम और उपयोगकर्ताओं और पुन: उपयोग करने वालों के बीच भ्रम पैदा करती हैं।

स्थिति अभी भी यूके में बहस के अधीन है, यूएस में सीमित बाध्यकारी प्रभाव है और डिजिटल सिंगल मार्केट (सीडीएसएम) में सत्त्वाधिकार पर यूरोपीय संघ के निर्देश के अनुच्छेद १४ को अपनाने के साथ यूरोपीय संघ के स्तर पर बस गया है। अनुच्छेद 14 में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र में मौजूद दृश्य कला के कार्यों के पुनरुत्पादन में कोई नया अधिकार उत्पन्न नहीं हो सकता है, जब तक कि इस तरह के पुनरुत्पादन को मूल नहीं माना जाता (यानी लेखक की अपनी बौद्धिक रचना का प्रतिनिधित्व करता है)। यूरोपीय आयोग का उद्देश्य "उपयोगकर्ताओं को पूर्ण कानूनी निश्चितता के साथ सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में ... कला के कार्यों की प्रतियां साझा करने की अनुमति देना है।" विवरण 70 सीडीएसएम निर्दिष्ट करता है कि "जैसे पोस्टकार्ड की बिक्री, यह संग्रहालयों की प्रथाओं को प्रभावित नहीं करेगा।"

वैश्विक स्तर पर स्पष्टता हासिल की जानी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि हर अधिकार क्षेत्र में सत्त्वाधिकार कानून, साथ ही व्यवहार संबंधी मानदंड और ग्लैम संग्रह के डिजिटलीकरण के संबंध में संविदात्मक समझौते, किसी को भी सार्वजनिक कार्यक्षेत्र कार्यों के विश्वसनीय डिजिटल प्रतिकृतियों पर सत्त्वाधिकार (या संबंधित अधिकार) का दावा करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करते हैं। डिजिटाइज्ड सार्वजनिक कार्यक्षेत्र का कार्य सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में रहना चाहिए। इसके अलावा, इस नियम में सभी प्रकार के कार्य या विषय वस्तु शामिल होनी चाहिए, जैसे कलात्मक कार्य (दृश्य कला के कार्यों सहित), संगीत कार्य (संगीत पत्र सहित) और ध्वनि रिकॉर्डिंग, साहित्यिक कार्य (पांडुलिपियों सहित), दृश्य-श्रव्य कार्य, पुरातत्व कार्य और अवशेष, तथा नक्शे।

सुरक्षा की अवधि को कम (विस्तार नहीं) करना

सत्त्वाधिकार रचनात्मकता और सीखने को प्रोत्साहित करना चाहिए, ना की उन्हें बाधित करे। जब अच्छी तरह से संतुलित हो, तो सत्त्वाधिकार रचनाकारों को दिए गए अधिकार और हितों को सुनिश्चित करने के लिए काम करता है और जनता रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और ज्ञान की पहुंच और साझा करने को बढ़ावा देने के अपने कार्य को पूरा करती है। अत्यधिक सत्त्वाधिकार शर्तें रचनात्मक सामग्री को बनाने और फिर से काम करने की हमारी क्षमता को बाधित करती हैं। अनुभवजन्य कार्य से पता चला है कि सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पुस्तकें उन देशों में कम उपलब्ध हैं जिनकी अवधि कम है।

सत्त्वाधिकार सुरक्षा के लंबे समय तक चलने का कोई कारण नहीं है जब तक कि यह पहले से ही है, आगे बढ़ाए जाने की बात तो छोड़ दीजिये जब तक यह पहले से ही है, इसे और अधिक विस्तारित होने दें।। संरक्षण की अवधि बढ़ाने से समाज को एक अविश्वसनीय नुकसान होता है, जिसे सांस्कृतिक विरासत के आरक्षित के रूप में सार्वजनिक कार्यक्षेत्र की भूमिका को रचनात्मक निधि के रूप में दिया जाता है, जिस पर समकालीन रचनात्मकता निर्भर करती है। वास्तव में, सुरक्षा की अवधि को काफी कम किया जाना चाहिए। २००२ के एल्ड्रेड बनाम एशक्रॉफ्ट यूएस सुप्रीम कोर्ट मामले में प्रमुख अर्थशास्त्रियों द्वारा दायर एक संक्षिप्त विवरण में दिखाया गया है कि कैसे एक अवधि विस्तार की लागत लाभ से अधिक है। २००९ के एक पेपर में, अर्थशास्त्री रूफस पोलक ने अनुमान लगाया कि इष्टतम सत्त्वाधिकार अवधि लगभग १५ वर्ष है।

अनुचित रूप से लंबी सत्त्वाधिकार शर्तें ग्लैम क्षेत्र को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। सत्त्वाधिकार ने ज्ञान और संस्कृति के मुक्त प्रवाह को रोकने के लिए कई अनावश्यक बाधाओं को खड़ा किया है, संकट के समय में ज्ञान तक पहुंच बढ़ाने के लिए किए गए नीतिगत प्रयासों और महामारी के प्रभावों को कम करने के सामुदायिक प्रयासों के सामने अपनी पहुँच का विस्तार किया है। सत्त्वाधिकार को आगे रचनात्मकता और सांस्कृतिक उत्पादन के प्रोत्साहन के लिए एक मजबूत और सार्वभौमिक रूप से सुलभ सार्वजनिक डोमेन को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए।

अच्छे विश्वास में काम करने वाले ग्लैम्स के खिलाफ अनुमोदन और उपायों को सीमित करना

ग्लैम्स के लिए देयता के जोखिमों को सीमित करना और साथ ही जोखिम की किसी भी (त्रुटिपूर्ण) धारणा को कम करना महत्वपूर्ण है। यह स्वीकार करते हुए कि ग्लैम गतिविधियाँ सत्त्वाधिकार धारकों के अधिकारों को प्रभावित कर सकती हैं, अनुमतियों को सुरक्षित करना मुश्किल हो सकता है, और अपवादों को अक्सर वैधता के व्यक्तिपरक निर्धारण की आवश्यकता होती है, ग्लैम को किए गए कार्यों के लिए वित्तीय रूप से महत्वपूर्ण दंड के जोखिम से बचाया जाना चाहिए, खासकर जहां वे लाभ के उद्देश्य के बिना कार्य कर रहे हैं और/या जहां ग्लैम की ओर से कार्य करने वाले व्यक्ति के लिए यह मानना उचित था कि अधिनियम कानूनी रूप से सत्त्वाधिकार सीमा या अपवाद के अनुसार बनाया गया था। उदाहरण के लिए, कानूनी ढांचे को उल्लंघन के लिए उपाय को स्पष्ट रूप से निषेधाज्ञा तक सीमित करना चाहिए और/या ग्लैम्स को अनुचित रूप से कठोर प्रतिबंधों से बचाने के तरीके के रूप में वैधानिक नुकसान सीमित करना चाहिए।

सांस्कृतिक अधिकारों, पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों, स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत और बहाली से संबंधित कानूनी और नैतिक मुद्दे

जैसा कि सीसी रणनीति बताती है, "खुले साझाकरण प्रथाओं को नैतिक चिंताओं से भी प्रभावित किया जा सकता है ...यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर कोई पूर्ण खुले साझाकरण चक्र के लाभों का आनंद ले सके, हमें एक बहुपक्षीय, समन्वित, व्यापक-आधारित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो सत्त्वाधिकार से परे हो। कई कारणों में से एक कारण यह भी है कि ग्लैम्स के क्षेत्र में सत्त्वाधिकार कानून में सुधार के लिए एक एजेंडा को न केवल कानूनी बल्कि नैतिक मुद्दों को भी संबोधित करने की आवश्यकता है, जिसमें पारंपरिक ज्ञान, स्वदेशी बौद्धिक संपदा और सांस्कृतिक विरासत से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। विशेष रूप से प्रत्यावर्तन और पुनर्स्थापन से संबंधित प्रश्नों के आलोक में, स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत के संबंध में ग्लैम की कई जिम्मेदारियां और कर्तव्य हैं।

कई ग्लैम्स सांस्कृतिक विरासत संग्रह को जनता के लिए उपलब्ध कराने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इन संस्थानों के लिए, ज्ञान और संस्कृति तक पहुंच प्रदान करना उनके कर्तव्य और जनहित मिशन का एक मुख्य पहलू है। सांस्कृतिक विरासत सामग्री को संरक्षित और खुले तौर पर साझा करने के लिए कई संस्थान डिओपन ग्लैम आंदोलन इस मिशन को स्वीकार करता है और सक्रिय रूप से इस आधार को बढ़ावा देता है, जिससे ग्लैम को सीसी लाइसेंस का अधिकतम लाभ उठाने में मदद मिलती है और यह बताने में मदद करता है कि उपयोगकर्ता डिजीटल सामग्री के साथ क्या कर सकते हैं।

जब स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत की बात आती है तो सार्वजनिक कार्यक्षेत्र सामग्री से जुड़ी स्वतंत्रता का पुन: उपयोग, और डिजिटलीकरण के माध्यम से बढ़ावा, तनाव पैदा कर सकता है। मौजूदा सत्त्वाधिकार कानून, पश्चिमी अवधारणाओं और मूल्यों में डूबा हुआ है, स्वदेशी पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की पर्याप्त रूप से रक्षा नहीं करता है, न ही यह स्वदेशी सांस्कृतिक मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रकट करता या जिम्मेदारी लेता है। By dafult स्वदेशी विरासत के कई रूप या "पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ" (जिसमें गुप्त, पवित्र, या संवेदनशील सामग्री शामिल हो सकती है) को पारंपरिक सत्त्वाधिकार कानून के तहत असमान रूप से सार्वजनिक कार्यक्षेत्र माना जाता है। कई चुनौतियों में से एक यह है कि सत्त्वाधिकार प्रणाली उन तरीकों के लिए उचित रूप से जिम्मेदार नहीं है जिसमें पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां बनाई जाती हैं, सामूहिक रूप से आयोजित की जाती हैं, और पीढ़ियों के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं। मौलिकता और लेखकत्व जैसे सत्त्वाधिकार पात्रता मानदंड, अक्सर एक समुदाय की सांस्कृतिक विरासत पर रचनात्मकता और संरक्षकता की स्वदेशी धारणाओं के विपरीत होते हैं। सभी के लिए उपलब्धता के संबंध में नृवंशविज्ञान (नृवंशविज्ञान संग्रहालयों में संरक्षित मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक संपत्ति), सवाल उठता है कि पहुंच कैसे व्यवस्थित की जानी चाहिए। अभिगम के निर्णय का केंद्र किसी भी सांस्कृतिक संपत्ति का चरित्र है। ऐसा लग सकता है कि ऐसी विरासत उपयोग और पुन: उपयोग के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध है, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं हो सकता है। इस स्तर का अभिगम और उपयोग की अनुमति देना नैतिक चिंताएं पैदा करता है जिस पर पूरी तरह से विचार किया जाना चाहिए।

मौजूदा सत्त्वाधिकार कानून, पश्चिमी अवधारणाओं और मूल्यों में डूबा हुआ है, स्वदेशी पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की पर्याप्त रूप से रक्षा नहीं करता है, न ही यह स्वदेशी सांस्कृतिक मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रकट करता या जिम्मेदारी लेता है। "सार्वजनिक कार्यक्षेत्र" की धारणा सत्त्वाधिकार प्रणाली की सीमाओं के भीतर प्रासंगिक है। इसलिए, जबकि स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत को सत्त्वाधिकार नियमों के तहत सार्वजनिक कार्यक्षेत्र के रूप में माना जा सकता है, और इस प्रकार उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है, अन्य अधिकार और हित अभी भी विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न हो सकते हैं। इनमें अन्य कानूनी प्रतिबंध जैसे गोपनीयता अधिकार, अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार (पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की रक्षा के लिए सुई जेनरिस अधिकार सहित), और व्यक्तित्व अधिकार, साथ ही साथ स्वदेशी प्रथागत कानून और विज्ञप्ति शामिल हैं। व्यवहार में, इसका मतलब है कि सत्त्वाधिकार प्रणाली के बाहर पाए जाने वाले आधार पर स्वदेशी सामग्रियों का अभिगम और उपयोग सीमित और उचित हो सकता है। चूंकि ये अधिकार और हित सत्त्वाधिकार कानून के तहत सुरक्षित नहीं हैं, इसलिए उन्हें सीसी के लाइसेंस और टूल के तहत लाइसेंस नहीं दिया गया है, जो पूरी तरह से सत्त्वाधिकार प्रणाली के भीतर काम करते हैं। इसका मतलब यह है कि स्वदेशी अधिकारों, रुचियों या इच्छाओं पर आधारित पहुंच और उपयोग पर विशिष्ट नियम या शर्तें केवल सीसी लाइसेंस और टूल लागू करते समय पूरी तरह से संबोधित नहीं की जाती हैं पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अभिगम और उपयोग से जुड़ी शर्तों को सही ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए अतिरिक्त उपायों की सलाह दी जा सकती है। स्थानीय संदर्भ, क्रिएटिव कॉमन्स से प्रेरित एक अंकितक प्रणाली, समुदायों द्वारा स्थापित स्थानीय विज्ञप्ति के लिए पुन: उपयोग करने वालों को सचेत करके इस मुद्दे को हल करने के लिए बनाया गया था।

स्वदेशी सांस्कृतिक हितों और मूल्यों के समर्थन में सक्रिय कदम उठाने के लिए ग्लैम्स एक निर्णायक स्थिति में हैं। विचारशील, जानबूझकर और सम्मानजनक निर्णय लेने के माध्यम से, पारंपरिक सत्त्वाधिकार कानून के आवेदन और किसी कार्य की सार्वजनिक डोमेन स्थिति के निर्धारण से परे जा कर, ग्लैम्स सांस्कृतिक विरासत सामग्री के नैतिक उपचार को सक्षम कर सकते हैं। ग्लैम्स को स्वदेशी लोगों के अधिकारों और हितों को ध्यान में रखना चाहिए, विशेष रूप से स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत के डिजिटलीकरण, अभिगम और पुन: उपयोग के संबंधों को भी ध्यान में रखना चाहिए। संग्रह के संयुक्त संचालन के लिए तंत्र का विकास आगे बढ़ने का एक तरीका होगा (मूल समुदायों के विशेषज्ञों और उन देशों के ग्लैम कर्मचारियों द्वारा, जहां ऐसी सांस्कृतिक संपत्ति होती है)।

स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणा २००७ (यूएनडीआरआईपी) के कई लेख कॉपीराइट, सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी बौद्धिक संपदा से संबंधित हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, ऑस्ट्रेलिया में ग्लैम्स के लिए यूएनडीआरआईपी के सिद्धांतों को दिशानिर्देशों में अनुवाद करने का प्रयास किया गया है। २०१८ में, टेरी जानके एंड कंपनी की कानूनी फर्म को ऑस्ट्रेलियाई संग्रहालय और गैलरी एसोसिएशन द्वारा ऐतिहासिक दस्तावेज "फर्स्टपीपल: संग्रहालयों और दीर्घाओं में स्वदेशी जुड़ाव बढ़ाने के लिए एक रोडमैप" तैयार करने के लिए कमीशन किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया में, स्वदेशी सांस्कृतिक कार्यों के सत्त्वाधिकार उल्लंघन में संलग्न ग्लैम्स पर अभियोग दायर हुई है। जुलाई २००० में, स्वदेशी कलाकारों ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संग्रहालय पर उनकी अनुमति के बिना अपनी वेबसाइट पर उनके कार्यों को पुन: प्रस्तुत करने पर आपत्ति जताई और आर्थिक और नैतिक अधिकारों के उल्लंघन का दावा किया। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संग्रहालय स्विट्जरलैंड के लुसाने में अपनी आदिम कला प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में मूल कार्यों का प्रदर्शन कर रहा था। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संग्रहालय ने दिसंबर २००० में कार्यों को बंद कर दिया। पवित्र स्वदेशी सामग्रियों के संबंध में गोपनीय जानकारी के उल्लंघन के लिए भी एक कार्रवाई की गई है (देखें फोस्टर बनाम माउंटफोर्ड (१९७६) १४ एएलआर ७)। अक्सर ऐसा होता है कि एक अप्रकाशित सांस्कृतिक कार्य के साथ-साथ गोपनीय जानकारी के उल्लंघन के संबंध में सत्त्वाधिकार के उल्लंघन की कार्रवाई की जा सकती है।

संबंधित रूप से, सत्त्वाधिकार और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों और सांस्कृतिक अधिकारों और सांस्कृतिक विरासत कानूनों (जिनकी व्यापक परिभाषाओं में अक्सर सत्त्वाधिकार सामग्री की एक सरणी शामिल होती है) के बीच अंतर्संबंध को संबोधित किया जाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धि और सांस्कृतिक विरासत

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में विकास डिजिटल दुनिया में ग्लैम्स के लिए कई रोमांचक अवसर प्रस्तुत करता है। ये डेटा प्रोसेसिंग के माध्यम से सिद्ध किए गए मॉडल या एल्गोरिदम के विकास से लेकर खनन, विश्लेषण और नए मेटाडेटा के साथ डेटासेट को समृद्ध करने तक हैं। हालांकि इन अवसरों से उनके डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से ग्लैम्स को आगे बढ़ाने की संभावना है, वे सत्त्वाधिकार के क्षेत्र में सवाल भी उठाते हैं, खासकर जब एआई को प्रशिक्षित करने के लिए ग्लैम्स के डिजिटल संग्रह का उपयोग करने और सत्त्वाधिकार कानून के तहत एआई - जनित उत्पाद के उपचार की बात आती है। तीन प्रमुख बिंदुओं को संबोधित किया जाना चाहिए: एआई प्रशिक्षण के लिए ग्लैम्स द्वारा संग्रह का उपयोग; कॉपीराइट/सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में एआई-जनित सामग्री की स्थिति; और एआई के आसपास स्पष्टता की कमी के आलोक में ग्लैम संग्रह को खोलने और साझा करने के लिए सत्त्वाधिकार से परे बाधाएं।

अपने जनहित मिशन को पूरा करने के लिए एआई-प्रशिक्षण उद्देश्यों (यंत्र अधिगम सहित) के लिए अपने डिजिटल संग्रह में डेटा का उपयोग करने में ग्लैम्स की सहायता करनी चाहिए। कानूनी तौर पर, इस बात को लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई है कि क्या सत्त्वाधिकार सीमाएं और अपवाद एआई प्रशिक्षण के लिए सत्त्वाधिकार सामग्री के उपयोग की अनुमति देते हैं। इस अनिश्चितता का एआई प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक ग्लैम्स पर द्रुतशीतन प्रभाव पड़ने की संभावना है। यह एक कारण है कि एआई को प्रशिक्षित करने के लिए सत्त्वाधिकार कार्यों का उपयोग अपने आप से गैर-उल्लंघनकारी माना जाना चाहिए। जैसा कि सीसी-अनुज्ञप्ति प्राप्त सामग्री से संबंधित है, जहां एआई प्रणाली को प्रशिक्षित करने के लिए सत्त्वाधिकार अनुमति की आवश्यकता होती है, अनुज्ञप्ति विशेष सीसी अनुज्ञप्ति के आधार पर विभिन्न नियमों और शर्तों के तहत उस अनुमति को प्रदान करता है। एक फ़्लोचार्ट यह कल्पना करने में मदद करता है कि क्या अनुज्ञप्ति शुरू हो सकते हैं और यदि हां, तो कौन सी शर्तें लागू हो सकती हैं।

इसके अलावा, एआई को एआई के माध्यम से "रचनात्मक" सामग्री उत्पन्न करते देखा गया है। इस तरह की सामग्री बहुत अच्छी तरह से ग्लैम्स के संग्रह का हिस्सा बन सकती है क्योंकि यह "रचनात्मक" अभिव्यक्ति के एक नए रूप के रूप में प्रशंसा प्राप्त करना शुरू कर देती है। इसी तरह, एआई तकनीक (जैसे समृद्ध डेटासेट) का उपयोग करके ग्लैम्स द्वारा उत्पन्न सामग्री प्रचुर मात्रा में होने की संभावना है क्योंकि अधिक से अधिक संस्थान एआई द्वारा पेश किए गए अवसरों का अन्वेषण करते हैं।

जबकि मौजूदा कानून के तहत ऐसी सामग्री की सत्त्वाधिकार की स्थिति स्पष्ट नहीं है, एआई-जनित सामग्री पर कोई सत्त्वाधिकार नहीं होना चाहिए और यह सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में होना चाहिए। सार्वजनिक कार्यक्षेत्र सामग्री को व्यापक रूप से एक्सेस किया जा सकता है, उपयोग किया जा सकता है और ग्लैम्स द्वारा अपने जनहित उद्देश्य की पूर्ति के साथ-साथ आम जनता द्वारा पुन: उपयोग किया जा सकता है। ग्लैम्स क्षेत्र में एआई द्वारा निभाई जा रही तेजी से विकसित हो रही भूमिका के बारे में स्पष्टता लाने के लिए नैतिकता, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा से संबंधित ग्लैम संग्रह का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

निष्कर्ष

सांस्कृतिक विरासत तक पहुंच को सक्षम करने के लिए ग्लैम्स के बुनियादी कार्य एक चुनौतीपूर्ण और दुर्गम कानूनी और नीतिगत परिवेश से बाधित हैं, जो ग्लैम्स की जोखिम-प्रतिकूल प्रकृति से संयुक्त है। जबकि ग्लैम्स में सर्वोत्तम अभ्यास मानदंड "विधायी सुधारों और ऐतिहासिक मामलों की तुलना में निर्णय लेने को अधिक प्रभावित करते हैं," ऐसे मानदंड विकसित होने में समय लेते हैं और निश्चितता प्रदान नहीं करते हैं जो विधायी सुधार प्रदान कर सकते हैं। ग्लैम्स अधिक जोखिम-प्रतिकूल प्रथाओं को विकसित करने की संभावना रखते हैं जो अनावश्यक रूप से उनके सार्वजनिक हित कार्यों को पूरा करने की उनकी क्षमता को सीमित करते हैं। यदि हम इन मुद्दों पर वकालत करना जारी नहीं रखते हैं, तो वैश्विक कानूनी और नीतिगत ढांचा ग्लैम्स के मिशन के कम और कम सहायक होने की संभावना है, ताकि उनके संग्रह को पुन: उपयोग के लिए जनता के लिए खुले तौर पर सुलभ बनाया जा सके। नीति निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे ग्लैम्स के संचालन के अनुकूल एक वैश्विक नीति वातावरण तैयार करें जो: (१) दुनिया के साथ अपने संग्रह साझा करने के लिए ग्लैम्स के मिशन का समर्थन करता है; (२) संस्कृति और ज्ञान तक पहुंच से लाभ के लिए उपयोगकर्ता अधिकारों को पहचानता है और उनका समर्थन करता है; (३) एक मजबूत और संपन्न सार्वजनिक डोमेन बनाए रखता है; और (४) स्वदेशी बौद्धिक संपदा का सम्मान और सुरक्षा करता है।

संकेताक्षर की सूची

सीसी: क्रिएटिव कॉमन्स

सीडीएल: नियंत्रित डिजिटल ऋण

सीडीएसएम: डिजिटल सिंगल मार्केट में कॉपीराइट

सीएच: सांस्कृतिक विरासत

डीआरएम: डिजिटल अधिकार प्रबंधन

ईसी: यूरोपीय आयोग

ग्लैम्स: गैलरी, पुस्तकालय, अभिलेखागार और संग्रहालय

ओओसीडब्ल्यू: आउट-ऑफ-कॉमर्स कार्य

एससीसीआर: कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों पर विपो की स्थायी समिति

टीडीएम: टेक्स्ट और डेटा खनन

टीपीएम: तकनीकी सुरक्षा उपाय

यूज़ीसी: उपयोगकर्ता-जनित सामग्री

डब्ल्यूआईपीओ: विश्व बौद्धिक संपदा संगठन

चयनित स्रोत:

- सत्वाधिकार - आईसीओएम, https://icom.museum/en/our-actions/heritage-protection/copyright/
- डी५. १ यूरोपीय संघ में गैलरी और संग्रहालय (जीएम) के लिए मौजूदा कानूनी ढांचे पर रिपोर्ट, https://zenodo.org/record/5070449#.YPa_8DYzb9F
- सत्वाधिकार पर यूरोपीय सिफारिशें और सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन में इसकी भूमिका, https://pro.europeana.eu/post/recommendations-on-copyright-and-its-role-in-the-digital-transformation-of-the-cultural-heritage-sector
- ज्ञान तक पहुंच की गारंटी: पुस्तकालयों की भूमिका (बेन व्हाइट, डब्ल्यूआईपीओ पत्रिका), https://www.wipo.int/wipo_magazine/en/2012/04/article_0004.html
- सत्वाधिकार और संबंधित अधिकारों पर स्थायी समिति अड़तीसवें सत्र जिनेवा, अप्रैल १ से ५, २०१९ सत्वाधिकार पर संशोधित रिपोर्ट (बेनहमौ),https://www.wipo.int/edocs/mdocs/copyright/en/sccr_38/sccr_38_5.pdf
- सत्वाधिकार और संबंधित अधिकारों पर स्थायी समिति (कैनैट और गिबॉल्ट),https://www.wipo.int/export/sites/www/copyright/en/limitations/pdf/museum_study.pdf
- क्रिएटिव कॉमन्स, संग्रहालयों का भविष्य खुला है, २०२१, https://creativecommons.org/2021/05/18/the-future-of-museums-is-open/
- क्रिएटिव कॉमन्स, सत्वाधिकार कानून को संग्रहालयों को उनके मिशन को पूरा करने में सक्षम बनाना चाहिए, २०२०,https://creativecommons.org/2020/05/18/copyright-law-must-enable-museums-to-fulfill- their-mission/
- द पब्लिक डोमेन बनाम द म्यूज़ियम: कला के द्वि-आयामी कार्यों के कॉपीराइट और पुनरुत्पादन की सीमाएं, https://www.jcms-journal.com/articles/10.5334/jcms.1021217/
- पुस्तकालयों और उनके उपयोगकर्ताओं के लिए मॉडल अपवादों और सीमाओं सहित सत्वाधिकार पर ईआईएफएल मसौदा कानून (२०१६) | ईआईएफएल, https://www.eifl.net/resources/eifl-draft-law-copyright-including-model-exceptions-and-limitations-libraries-and-their
- 21 2021 के लिए: अपवाद - क्रिएट https://www.create.ac.uk/blog/2021/11/19/21-for-2021-exceptions/
- 21 2021 के लिए: डिजिटल विरासत और सार्वजनिक कार्यक्षेत्र- बनाएँ, https://www.create.ac.uk/blog/2022/01/07/21-for-2021-digital-heritage-and-the-public-domain/

[दस्तावेज़ का अंत]